4603

M.A. (Previous) Examination, 2017

RAJASTHANI LITERATURE

Paper–III

(आधुनिक गद्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई-I

(क) 'मेवै रा रूखं' उपन्यास के लेखक का नाम बताकर यह कितने भागों में विभाजित है? बताइये।

(ख) 'मेवै रा रूखं' का संक्षिप्त शीर्षक बताइये।

इकाई-II

(ग) 'श्री बैजनाथ पंवार' किस कहानी का पात्र है संक्षिप्त चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) "वे रोटी रा राव अर तरवार धणी हा। पीठियाँ लग उणां रै घरे आयोड़ो मेहमान भूखौ को गयौ नी।"

यह किस कहानी का संवाद है?

इकाई-III

(ङ) 'जोधराज नाई' का संक्षिप्त चरित्र-चित्रण कीजिये।

(च) 'आलू री अखियातां' के रचयिता का नाम बताकर कुल कितने संस्मरण हैं? बताइये।

इकाई-IV

(छ) श्री लाल नथमल जोशी की कौनसी कहानी आपके पाठ्यक्रम में है?

(ज) "डोकरी पन्द्रै रिपिया रो सामान लियो, अर बारै रिपिया पिचेतर पइसा नगदी, ओढ़णी रै पल्लै बांध र टुरगी" मेवै रा रूखं मे से किसने कहा?

इकाई-V

(झ) राजस्थानी का पहला उपन्यास 'कनक सुन्दर' किस प्रकार की रचना है?

(ञ) सन् 1966 में प्रकाशित उपन्यास 'मां रो बदलो' के पात्रों के नाम लिखिए।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. 'मेवै रा रूखं' में रचनाकार का मूल उद्देश्य संक्षिप्त में बताइए।

3. 'मेवै रा रूखं' उपन्यास के किस पात्र से आप प्रभावित हैं? संक्षिप्त विवरण दीजिए।

इकाई-II

4. ''हाड़ी राणी'' कहानी का कहानी के तत्त्वों की दृष्टि से मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिए।

5. ''रजपुताणी'' कहानी की समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।

इकाई-III

6. 'आलूं री अखियातां' में संकलित 'बस्ती राम ब्यास' के पात्र ब्यास जी का चरित्र स्पष्ट कीजिए।

7. 'सुरजोनायक' संस्मरण में निहित अभिव्यक्ति पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

इकाई-IV

8. निम्नलिखित गद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

पप्पू री कोठी मोटी है, बंटू री भी मोटी है, म्हारै कनै छोटी कोठी है। म्हे खेलां तो प्पू री कोठी में खेलल्यां, बंटू री कोठी में खेलल्यां, म्हारै अठे भी खेलल्यां पर म्हारै अठै जगां थोड़ी है। पप्पू रै जीप है, म्हारें भी जीप है, पण बटूं रै डैडी कार भी है, जीप भी है।

9. ''म्हूं घरै आयेगी। लारलै पोहर तीनै बज्यां सी बैद श्री वल्लभजी आया। जीम-जूठ र ऊठिया म्हूं बूसियौ कै कैन-काई है माजी? बै बोल्या कै अचैत हुयोड़ा है, चेतो करावण सारू कोरामिन रो इंजैक्सन दियो पण कार कर्‌यो कोनीं, जी जावै तो बड़ी बात है।''

इकाई-V

10. राजस्थानी कहानी के विकास के द्वितीय चरण पर प्रकाश डालिए।

11. राजस्थानी ऐतिहासिक कहानी का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-स

इकाई-I

12. अन्नाराम सुदामा रचित ''मेवै रा रूखां'' कृति का अपने शब्दों में विस्तृत विवेचन कीजिए।

इकाई-II

13. 'सिरकती झूपड्यां' कहानी का सार सविस्तार समझाइए।

इकाई-III

14. 'मास्टर जी' कहानी का मूल्यांकन अपने शब्दों में कीजिए।

इकाई-IV

15. ''औलुं री आखियोता'' संस्मरण में अपने प्रिय संस्मरण को विस्तार से लिखिए।

इकाई-V

16. आधुनिक राजस्थानी की समाज-सुधारवादी कहानियों के बारे में अपने विचार प्रकट कीजिए।